मध्यप्रदेश दलित साहित्य अकादमी
MADHYA PRADESH DALIT SAHITYA AKADEMY
बाणभट्ट मार्ग, सेन्ट्रल स्कूल के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
(A Social Science Research Center : affiliated to Vikram University,Ujjain)
Phone : 0734-2518737. **E-mail ID : mpdsaujn@gmail.com**

क्रमांक /शोध पत्रिका *दिनांक. 10/10/2017.*

पूर्वदेवा
सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका

PŪRVADEVĀ *– A Social Science Research Journal*
ISSN. 0974-1100 * R.N.I.Reg.No. 61954/95 * Approved by UGC – Sl.No 48433

प्रकाशनार्थ शोध आलेखों का आमन्त्रण

महोदय/महोदया,

मध्यप्रदेश दलित साहित्य अकादमी की त्रैमासिक सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका " **पूर्वदेवा** " के प्रकाशन का उद्देश्य मुख्यतः भारतीय समाज में व्याप्त मानवीय विषमताओं के उन्मूलन और तदजनित सामाजिक परिवर्तन की भूमिका तैयार कर मानवीय मूल्यों की स्थापना के निमित्त ऐतिहासिक एवं सामाजिक आधार पर विविध–पक्षीय तथ्यपूर्ण एवं शोधपरक अध्ययन व चिंतन को प्रवर्त्त करना है। जिससे कि समाज में उपेक्षित वर्ग का सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राजनैतिक, आर्थिक, शैक्षणिक आदि क्षेत्रों में समुचित विकास एवं मानवीय सम्मान का मार्ग प्रशस्त किया जा सके और देश में राष्ट्रीय एकरूपता और सामाजिक न्याय एवं सहिष्णुता की भावना अपना वास्तविक आकार ग्रहण कर सके।

अकादमी द्वारा " **पूर्वदेवा** " का विगत 22 वर्षों से निरन्तर प्रकाशन किया जा रहा है तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नईदिल्ली **(ICSSR)** से मान्य एवं संपोषित है।

अतऐव, इस हेतु विद्वान लेखकों, प्राध्यापकों, अनुसंधानकर्ताओं से सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में रचित मौलिक शोध आलेख एवं अनुभवजन्य तथ्यपरक लेख, सर्वोक्षण रिपोर्ट पुस्तक समीक्षा प्रकाशनार्थ आमंत्रित है।

- लेखकों से आग्रह है कि अपने हस्ताक्षरित लेख दो प्रतियों/PM-5. कृतिदेव फॉण्ट साईज–14 में टंकित, सी.डी. मय प्रिंट आउट भेजे या ई–मेल करें। E-mail ID **: mpdsaujn@gmail.com**
- प्रत्येक आलेख के साथ आवश्यकतानुसार " फुटनोट्स " अथवा सन्दर्भ सूची अवश्य संलग्न की जाना चाहिऐ।
- सामान्यतः लेख हिन्दी में लिखे हों। विशेष स्थिति में अंग्रेजी में लिखे गये लेख भी स्वीकार किये जा सकेगें।
- लेख अन्यत्र प्रकाशित नहीं होना चाहिए। हाँ, यदि लेख किसी अन्य भाषा में प्रकाशित हो चुके हो तो उनका हिन्दी अनुवाद भी अपवाद रूप में प्रकाशनार्थ स्वीकार किया जा सकता है।
- समीक्षार्थ नव प्रकाशित पुस्तकों की दो प्रतियाँ प्रेषित की जाना चाहिए।
- प्रत्येक पुस्तक समीक्षा लेख के साथ समीक्षित पुस्तक की एक प्रति अवश्य संलग्न की जाना चाहिए।
- सम्पादक मण्डल को किसी भी लेख को प्रकाशन हेतु स्वीकृत या अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार है। अतः वापसी हेतु रचना के साथ लेखक का पता लिखा लिफाफा उपयुक्त डाक टिकट के साथ होना चाहिए।

विशेष अनुरोध–" **पूर्वदेवा** " का सतत् प्रकाशन सुधी पाठकों एवं लेखकों के उदार लेखकीय एवं वित्तीय सहयोग पर निर्भर है । अतऐव, पत्रिका के ग्राहक बनकर अपना आत्मीय सहयोग प्रदान करें। ग्राहक शुल्क की दरें इस प्रकार है– आजीवन शुल्क : संस्थागत रु 2500/– वैयक्तिक रु 2000/–
वार्षिक शुल्क : संस्थागत रु 350/– वैयक्तिक रु 300/–

(डॉ. हरिमोहन धवन)
सम्पादक "पूर्वदेवा" व अध्यक्ष, म.प्र.द.सा.अकादमी
Mob. 0 97527 25488